देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 16 अंक: 101 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...समझ बढ़ाने से ही बचेगा पर्यावरण

देहरादून, रविवार, 18 जुलाई 2021

# पेज थ्री

मौसम अधिकतम 27.0° न्यूनतम 24.0° | 38341.40

2 तालिबान को समर्थन पर बढ़ा विवाद | 7 सैमसन को मिल सकता है डेब्यू का मौका

# क्या राज्य तय करेगा नागरिकों का भोजन?

## हरिद्वार के बूचड़खानों पर रोक लगाने पर उत्तराखंड हाई कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

**संवाददाता**

नैनीताल। उत्तराखंड हाई कोर्ट ने हरिद्वार में बूचड़खानों पर रोक लगाने के फैसले की संवैधानिकता पर सवाल उठाए हैं। अदालत ने कहा कि सभ्यता का आकलन अल्पसंख्यकों के साथ किए जाने वाले व्यवहार के आधार पर होता है।

मंगलौर कस्बे के रहने वाले याचिककार्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि सवाल यह है कि क्या नागरिकों को अपना भोजन चुनने का अधिकार है या राज्य इसका फैसला करेगा?

मुख्य न्यायाधीश आरएस चौहान और न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की पीठ ने कहा, 'लोकतंत्र का मतलब है अल्पसंख्यकों की रक्षा। सभ्यता का आकलन केवल इस बात से किया जा सकता है कि अल्पसंख्यकों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। हरिद्वार जैसी पाबंदी से सवाल उठता है कि राज्य किस हद तक नागरिकों के विकल्पों को तय कर सकता है।'

> सभ्यता का आकलन अल्पसंख्यकों के साथ किए जाने वाले व्यवहार के आधार पर होता है।–अदालत

**कल आप कह सकते हैं कि कोई मांस का सेवन नहीं करे**

अदालत ने कहा कि इसी तरह के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मांस पर प्रतिबंध किसी पर भी थोपा नहीं जाना चाहिए। कल आप कह सकते हैं कि कोई मांस का सेवन नहीं करे। इसको ध्यान में रखते हुए हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि सवाल यह है कि क्या नागरिकों को अपना भोजन चुनने का अधिकार है या राज्य इसका फैसला करेगा।

**बकरीद तक फैसला करना संभव नहीं**

अदालत ने हालांकि कहा कि यह संवैधानिक मामला और त्योहार को देखते हुए सुनवाई में जल्दबाजी नहीं की जा सकती है। इस मामले में उचित सुनवाई और विमर्श की जरूरत है। इसलिए, इस मामले पर फैसला बकरीद तक करना संभव नहीं है जो 21 जुलाई को पड़ रहा है। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 23 जुलाई की तारीख तय की है।

**मांस पर पूर्ण पाबंदी असंवैधानिकः** याचिका में दावा किया गया कि यह पाबंदी 'मनमाना और असंवैधानिक है।' याचिका में इस फैसले को दो कारणों से चुनौती दी गई है।

इसमें कहा गया कि मांस पर किसी तरह की पूर्ण पांबदी असंवैधानिक है, जबकि उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम में उत्तराखंड सरकार की ओर से जोड़ी गई धारा–237ए, उसे नगर निगम, परिषद या नगर पंचायत को बूचड़खाना मुक्त घोषित करने का अधिकार प्रदान करती है।

अदालत ने कहा कि याचिका में गंभीर मौलिक सवाल उठाए गए हैं और इसमें संवैधानिक व्याख्या शामिल है।

**मार्च में राज्य सरकार ने लगाई थी पाबंदी**

याचिका में कहा गया है कि पांबदी निजता के अधिकार, जीवन के अधिकार, स्वतंत्रता से अपने धार्मिक रीति रिवाजों का अनुपालन करने के अधिकार का उल्लंघन करता है। यह हरिद्वार में मुस्लिमों के साथ भेदभाव करता है जहां पर मंगलौर जैसे कस्बे में बड़ी मुस्लिम आबादी रहती है। याचिका में कहा गया, 'हरिद्वार में धर्म और जाति की सीमाओं से परे साफ और ताजा मांसाहार से मनाही भेदभाव जैसा है।' गौरतलब है कि इस साल मार्च में राज्य सरकार ने हरिद्वार को 'बूचड़खानों से मुक्त क्षेत्र' घोषित कर दिया था और बूचड़खानों के लिए जारी अनापत्तिपत्रों को भी रद्द कर दिया था।

## संक्षिप्त समाचार

### ड्रोन हमलों की काट के लिए सरकार कर रही उपाय

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारत में जल्द ही स्वदेशी काउंटर–ड्रोन तकनीक में बड़ी उपलब्धि हासिल कर लेगा। उन्होंने बताया कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन और अन्य एजेंसियां एक स्वदेशी काउंटर ड्रोन तकनीक विकसित करने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। सरकार ने ड्रोन रोधी अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को पूरा समर्थन दिया है।

### कैप्टन बोले– हाई कमान का फैसला हमें मंजूर

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

चंडीगढ़। पंजाब में कांग्रेस का संकट जल्द खत्म हो सकता है। पार्टी आलाकमान ने सुलह का फॉर्मूला फाइनल कर लिया है। कांग्रेस में दिल्ली से लेकर चंडीगढ़ तक जबरदस्त सियासी हलचल देखने को मिल रही है। वहीं, पंजाब में कांग्रेस के संकटमोचक हरीश रावत ने सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह से मुलाकात की है।

# उत्तराखंड की सीमाओं पर सख्त होगा पहरा

## सादे वेश में हरिद्वार आ रहे कांवड़ियों की पहचान भी चुनौती

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

देहरादून। उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा रद की जा चुकी है। ऐसे कांवड़ यात्रियों को रोकने के लिए पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने 24 जुलाई से सीमा क्षेत्रों में सख्ती बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, पुलिस की सख्ती से पहले ही कांवड़ यात्री हरिद्वार की तरफ निकलने लगे हैं। ऐसे में पुलिस के सामने चुनौती है कि कैसे इनकी पहचान की जाए।

उत्तराखंड सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए राज्य में कांवड़ यात्रा रद कर दी थी। इसके बाद से ही कांवड़ यात्रियों को सीमा में प्रवेश से कैसे रोका जाए, इस पर मंथन शुरू हो गया था।

यात्रा रद होने के बाद अब सादे ढंग से हरिद्वार जाने वाले कांवड यात्रियों की पहचान करना पुलिस के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। बताया जा रहा है कि शनिवार को देहरादून से कुछ कांवड़ यात्रियों को हरिद्वार जाते देखा गया। अन्य राज्यों से भी कांवड़ यात्री घूमने के बहाने हरिद्वार आ रहे हैं।

कांवड़ यात्रियों को रोकने के लिए पुलिस महानिदेशक ने 24 जुलाई से सीमा क्षेत्रों में सख्ती बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। पुलिस की सख्ती से पहले ही यात्री हरिद्वार की तरफ निकलने लगे हैं। बस और ट्रेन के माध्यम से हरिद्वार पहुंचने वाले कांवड़ यात्रियों को रोकना भी पुलिस के लिए चुनौती है, क्योंकि उत्तर प्रदेश में अभी कांवड़ यात्रा को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है।

वहीं, एसएसपी डा. योगेंद्र सिंह रावत ने बताया कि अभी तक कांवड़ यात्रियों के हरिद्वार जाने की कोई सूचना नहीं है, क्योंकि आशारोड़ी बैरियर पर चेकिंग चल रही है।

**24 जुलाई के बाद बढ़ाई जाएगी सख्ती**

24 जुलाई के बाद सख्ती बढ़ाई जाएगी। आपको बता दें कि इस साल 25 जुलाई से सावन के महीने की शुरुआत होने जा रही है। इस दौरान कांवड़िये पवित्र गंगा जल के लिए बड़ी संख्या में हरिद्वार आते हैं। अब जब उत्तराखंड में यात्रा की अनुमति नहीं है तो कांवड़ियों को बार्डर से ही वापस भेज दिया जाएगा।

# देश में कोरोना के मामलों में जारी है उतार-चढ़ान

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में उतार–चढ़ान जारी है। बीते 24 घंटों की बात करें तो देश में कोरोना संक्रमण के 38 हजार नए मामले सामने आए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 38,079 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान देश भर में कोरोना संक्रमण के कारण 560 लोगों की मौत हुई है। इस समय देश में कोरोना के चार लाख 24 हजार सक्रिय मामले हैं, जबकि रिकवरी रेट बढ़कर 97.31 फीसद हो गया है।

बता दें कि देश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर की रफ्तार अभी पूरी तरह थमी नहीं है। तीसरी लहर की आशंका के बीच संक्रमण के दैनिक मामलों में उतार–चढ़ाव जारी है। केरल और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में एक बार फिर कोरोना का कहर शुरू हो गया है। गौरतलब है कि हाल के महीनों में कोविड–19 से मरने वालों की संख्या अधिक होने के बावजूद, भारत में दूसरी कोविड लहर में मृत्यु दर पहले की तुलना में कम बनी हुई है। हालांकि, दूसरी लहर की मृत्यु दर अभी भी बढ़ रही है क्योंकि कई राज्यों से मौतों की संख्या और बैकलॉग मौतों को जोड़ना जारी है।

देश में 16 जुलाई तक कोरोना के 44.20 करोड़ से ज्यादा सैंपल्स की टेस्टिंग हो चुकी है जिनमें से 19,98,715 सैंपल्स का टेस्ट बीते 24 घंटों के दौरान किया गया। इसके साथ ही देश में कोरोना टीकाकरण का आंकड़ा भी तेजी से बढ़ रहा है। बीते एक दिन में देशभर में 42,12,557 कोरोना वैक्सीन की डोज देशभर में लगाई गई है। इसको मिलाकर देश में कोरोना टीकाकरण का आंकड़ा बढ़कर 39,96,95,879 हो गया है।

**कोरोना अपडेट**

- देश भर में बीते 24 घंटों में आए कोरोना संक्रमण के 38 हजार नए मामले
- संक्रमण के कारण 560 लोगों की मौत


*Are you Planning to make a Website or already have ?*

*If yes, then we are here to serve you*

**What we do**

**Website Development** — All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

**Promotion & Branding** — 1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries) 2. Social Media 3. Bulk SMS

**Search Engine Optimisation** — A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly. You tell us, we do it.

**Gadoli Media Ventures**

Contact: Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930

E-Mail: contact@gadoli.in


# भारत को फिर दर्द देने लगा है तालिबान!

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। भारतीय फोटो पत्रकार दानिश सिद्दीकी अफगानिस्तान में अफगान सैनिकों और तालिबान के बीच लड़ाई को कवर करते हुए मारे गए। पिछले कई दिनों से वो कंधार में जो हालात हैं उसको कवर कर रहे थे। दानिश अफगानिस्तान के स्पिन बोल्दाक जिले में संघर्ष के दौरान मारे गए। दानिश की मौत की खबर सुनकर भारत में लोग दुखी हैं और तालिबान का दर्द मिलना भी शुरू हो गया है। तालिबान भारत के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है।

**भारतीय नागिरकों के साथ ही निवेश की भी चिंता**

अफगानिस्तान में भारतीय नागरिकों की चिंता के साथ ही साथ कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को लेकर भी भारत चिंतित है। तालिबान मध्य एशिया के देशों और ईरान के सीमा के शहरों को अपने कब्जे में कर रहा है। चाबहार बंदरगाह, तापी गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है। वहीं भारतीय नागरिकों की सुरक्षा भी अहम मुद्दा है। अफगानिस्तान में इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में भारत तीन अरब डॉलर से अधिक का निवेश कर चुका है।